15 वीं राजस्थान विधानसभा आम चुनाव में महिला मतदान का विश्लेषण

डॉ. विनिता पुरोहित

शोध सारांश

राजनीतिक सहभागिता प्रजातांत्रिक व्यवस्था की अनिवार्य शर्त है। महिला सशक्तिकरण के संदर्भ में महिला राजनीतिक सहभागिता को महत्वपुर्ण आयाम के रूप में देखा जाता है। अतः महिला राजनीतिक सहभागिता का अध्ययन राजनीतिक सहभागिता का प्रमुख क्षेत्र बन गया है। महिला राजनीतिक सहभागिता व्यावहारिक राजनीति का सबसे ज्वलंत प्रश्न है, जिसने समस्त राजनीतिक अध्येताओं का ध्यान आकृष्ट किया है। राजनीतिक सहभागिता से अभिप्राय उन स्वैच्छिक क्रियाओं से है, जिनके द्वारा किसी समाज के सदस्य शासकों के चयन एवं प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जन-नीतियों के निर्माण में भाग लेते हैं। राजनीतिक सहभागिता एक बहुस्तरीय प्रक्रिया होती है, जिसमें व्यक्ति/नागरिक मुख्यतः मतदाता, उम्मीदवार तथा निर्वाचित सदस्य के रूप में अपनी भुमिका सुनिश्चित करते हैं।

मूल शब्द राजनीतिक सहभागिता, महिला राजनीतिक सहभागिता, मतदान व्यवहार, मतदान, महिला मतदान या महिला मताधिकार

[1]Corresponding Author

[1]सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान, एपेक्स युर्निवसिटी, जयपुर

प्रस्तावना

डॉ. अम्बेडकर के अनुसार किसी समाज की प्रगति का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि उस समाज में महिलाओं की कितनी प्रगति हुई है। अर्थात किसी भी समाज की प्रगति महिलाओं की प्रगति के बिना अपूर्ण है। समाज की प्रगति के लिए महिलाओं की प्रगति आवश्यक है। समाज की आधी आबादी के विकास के बिना हम सम्पुर्ण समाज के विकास की कल्पना नही कर सकते है। वर्तमान में महिला विकास 'विकास' की संकल्पना का महत्वपूर्ण आयाम बन गया है। अतः सभी राज्यों में प्रत्येक सरकार महिला विकास की दिशा में प्रयासरत हैं।

राजनीतिक सशक्तिकरण 'महिला विकास' का प्रभावी मार्ग है। सार्वजनिक क्षेत्र में आधी आबादी की भूमिका को सुनिश्चित करके ही समाज के सम्पूर्ण विकास को सुनिश्चित किया जा सकता है लेकिन लैंगिक असमानता अथवा लैंगिक विभेद महिला विकास के मार्ग में एक गम्भीर समस्या है। यह एक वैश्विक समस्या है और विश्व के सभी देश इस समस्या से आहत हैं। भारत में यह समस्या राजनीतिक व्यवस्था के सम्मुख एक

प्रमुख चुनौति है, क्योंकि लैंगिक विभेद भारतीय समाज की संरचना का अभिन्न भाग है। पितृसत्तात्मक भारतीय समाज में पुरूष का स्थान प्रधान तथा स्त्री का स्थान गौण माना जाता है। ऐसे में लैंगिक समानता की स्थापना हमारे समक्ष एक गम्भीर चुनौति है। लैंगिक समानता के मामले में वैश्विक स्तर पर भारत की स्थिति शोचनीय है। भारत जैसे पितसŸाात्मक समाज में सम्पूर्ण विकास की कल्पना इतनी सहज नही है क्योंकि पारम्परिक समाज में आधी आबादी द्वारा समाज द्वारा निर्धारित वर्जनाओं को तोडना चुनौतिपूर्ण कृत्य हैं। अतः अनेकों प्रयासों के बावजूद भी भारतीय समाज में महिलाओं की सार्वजनिक क्षेत्र में भागीदारी अपेक्षित नही है।

विश्व आणथक मंच (वर्ल्ड इकोन,मिक फोरम) द्वारा 13 जुलाई, 2022 को जारी की गई ''ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स/सूचकांक 2022'' के अनुसार भारत 146 देशों की सुची में 135 वे स्थान पर है। लैंगिक समानता के मामले में भारत इस सूची में नीचे से 12 वें स्थान पर है। अर्थात 11 देश ही उससे नीचे है। भारत से नीचे वाले देशों में अफगानिस्तान, पाकिस्तान, कॉन्गो, ईरान और चैड जैसे देश शामिल है। दक्षिण एशिया में केवल ईरान (143), पाकिस्तान (145) और अफगानिस्तान (146) का प्रदर्शन भारत से भी खराब है। भारत, स्वास्थ्य और उत्तरजीविता में 146, आणथक भागीदारी और अवसर में 143, शैक्षिक प्राप्ति में 107 और राजनीतिक सशक्तिकरण में 48 वें स्थान पर है। "स्वास्थ्य और उत्तरजीविता" उप-सूचकांक में भारत का दुनिया में सबसे खराब प्रदर्शन रहा है। इसके अनुसार भारत को 146 वें स्थान पर रखा गया है। भारत की स्थिति अपने पड़ोसियों में भी काफी खराब है। यह बांग्लादेश (71), नेपाल (96), श्रीलंका (110), मालदीव (117) और भूटान (126) जैसे अल्प विकसीत देशों से पीछे है।[1]

विभिन्न प्रयासों के बावजूद आज भी भारत में महिला वर्ग की स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं आया है। संभवतः इसलिए महिला सशक्तिकरण वर्तमान समय की प्रबल आवश्यकता है। नीति एवं निर्णय-निर्माण के प्रत्येक स्तर पर महिलाओं की समान सहभागिता ही उनका राजनीतिक सशक्तिकरण है। नारीवादी व्याख्या के अनुसार महिला सशक्तिकरण उपस्थिति शक्ति संरचनाओं एवं शक्ति समीकरणों के विरूद्ध सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक दोनों धरातलों पर विरोध के रूप में महत्त्वपूर्ण है। साथ ही ऐसी वैकल्पिक समतामूलक संरचना का पक्षधर है जिसमें स्त्री सशक्त अभिकर्ता के रूप में समाज में शक्ति संरचनाओं के सभी स्तरों पर निर्णय प्रक्रिया में समान सहभागी के रूप में हो।[2] सामान्यतः किसी भी राजनीतिक समाज में किसी वर्ग विशेष के राजनीतिक सहभागिता का विश्लेषण राजनीतिक गतिविधियों में उस वर्ग की भागीदारी के अध्ययन के आधार पर किया जा सकता है। बीसवीं सदी के पूर्वार्द्ध से लेकर आज तक महिलाएं राजनीति में निरन्तर सक्रिय रहीं है। समाज में महिला वर्ग की राजनीतिक सहभागिता का अध्ययन राजनीतिक गतिविधियों में उनकी भागीदारी के आधार पर किया जा सकता है। चुनावों में मतदान भी राजनीतिक भागीदारी का एक महत्वपूण आयाम है।

मतदान का अर्थ है, लोगों को मत देने का अधिकार[3] तथा महिला मतदान या महिला मताधिकार से तात्पर्य महिलाओं के मत देने के अधिकार से है। महिला मताधिकार राजनीतिक समानता के सिद्धांत की परिणति

है, जिसका अभिप्राय है, निर्णयन संस्थाओं (क्मबपेपवद उंापदह इवकपमे) मे समानता के आधार पर प्रतिनिधित्व का अधिकार[4] और इस अधिकार की पूर्णता मताधिकार तथा चुनाव में भागीदारी इन दोनों रूपों से सिद्ध होती है। महिला मताधिकार राजनीतिक समानता के सिद्धांत की पूर्व शर्त है तथा विभिन्न देशों में महिलाओं को इस अधिकार की प्राप्ति भिन्न-भिन्न समय पर हुई। संयुक्त राज्य अमेरिका में महिलाओं को मताधिकार की प्राप्ति वर्ष 1919 में, इंग्लैण्ड में वर्ष 1928 में, फ्रांस में वर्ष 1945 में, स्विट्जरलैंड में वर्ष 1971 तथा कुवैत में वर्ष 2005 में महिलाओं को मताधिकार की प्राप्ति हुई।[5] कुवैती संसद ने 16 मई 2005 को महिलाओं को मताधिकार व चुनाव लड़ने का अधिकार दिया।[6] भारत में महिलाओं को मताधिकर की प्राप्ति दीर्घ संघर्ष का परिणाम सिद्ध हुई। वर्ष 1921 में सर्वप्रथम मद्रास राज्य द्वारा अपने प्रदेश की महिलाओं को मताधिकार प्रदान किया गया तथा 1935 में ब्रिटिश सरकार द्वारा महिलाओं को विस्तृत आधार पर (20 : 1 से घटाकर 5 : 1) मताधिकर प्रदान किया गया।[7] स्वतंत्रोपरान्त संविधान द्वारा समस्त वयस्क भारतीय नागरिकों को मताधिकार प्रदान किया गया। भारतीय नागरिक के रूप में प्रदेश की महिलाओ को भी मताधिकार की प्राप्ति हुई।

प्रदेश में महिला मतदान

'मतदान' राजनीतिक सहभागिता का महत्त्पूर्ण पक्ष है। राजनीतिक विकास सिद्धांत के अनुसार 'मतदान' राजनीतिक प्रक्रियाओं में जनता की रूचि एवं सहभागिता का परिचायक है। महिला राजनैतिक नेतृत्व की दृष्टि से 'महिला मतदान' अध्ययन का एक प्रमुख आयाम है। प्रदेश के राजनीतिक समाज में महिलाओं की उपेक्षित स्थिति के समान ही मतदान की दृष्टि से भी महिलाओ की स्थिति उपेक्षित रही है। प्रदेश विधानसभा के लिए सम्पन्न विभिन्न चुनावों में महिला मतदान का प्रतिशत पुरूष मतदान प्रतिशत की तुलना में सामान्यतः कम रहा है।

प्रदेश में महिला मतदाताओं का विवरण

13वीं विधानसभा के लिए वर्ष 2008 में सम्पन्न आम चुनाव में प्रदेश में पंजीकृत मतदाताओं की कुल संख्या 36183154 रही, जिसमे पुरूष मतदाताओं की कुल संख्या 18984490 तथा महिला मतदाताओं की कुल संख्या 17198664 रही।[8] वर्ष 2013 में 14वीं प्रदेश विधानसभा के आम चुनाव में प्रदेश में पंजीकृत मतदाताओं की कुल संख्या 40829312 रही, जिसमे पुरूष मतदाताओं की कुल संख्या 21521968 तथा महिला मतदाताओं की कुल संख्या 19307320 रही।[9] 15वीं विधानसभा के लिए वर्ष 2018 में सम्पन्न आम चुनाव में प्रदेश में पंजीकृत मतदाताओं की कुल संख्या 47789441 रही, जिसमे पुरूष मतदाताओं की कुल संख्या 24847107, महिला मतदाताओं की कुल संख्या 22825536 तथा थर्ड जेन्डर की कुल संख्या 228 रही।[10]

प्रदेश में निर्वाचक लिगांनुपात सामान्य लिगांनुपात की भांति महिलाओं के विपरीत रहा है। प्रदेश विधानसभा के लिए सम्पन्न विभिन्न आम चुनावों में निर्वाचक लिगांनुपात अर्थात 1000 पुरूष मतदाताओं के विपरीत महिला मतदाताओं की संख्या ;वउमद टवजमते च्मत जीवनेमदक डमद टवजमतेद्ध प्रदेश की महिलाओं के अनुकूल नही रही है। 5वीं विधानसभा के लिए वर्ष 1972 में सम्पन्न आम चुनाव में निर्वाचक लिगांनुपात 723,

6वीं विधानसभा के लिए वर्ष 1977 में सम्पन्न आम चुनाव में निर्वाचक लिगांनुपात 763, 7वीं विधानसभा के लिए वर्ष 1980 में सम्पन्न आम चुनाव में निर्वाचक लिगांनुपात 744, 8वीं विधानसभा के लिए वर्ष 1985 में सम्पन्न आम चुनाव में निर्वाचक लिगांनुपात 728, 9वी विधानसभा के लिए वर्ष 1990 में सम्पन्न आम चुनाव में निर्वाचक लिगांनुपात 736, 10वी विधानसभा के लिए वर्ष 1993 में सम्पन्न आम चुनाव में निर्वाचक लिगांनुपात 755, 11वीं विधानसभा के लिए वर्ष 1998 में सम्पन्न आम चुनाव में निर्वाचक लिगांनुपात 786, 12वीं विधानसभा के लिए वर्ष 2003 में सम्पन्न आम चुनाव में निर्वाचक लिगांनुपात 841, 13वीं विधानसभा के लिए वर्ष 2008 में सम्पन्न आम चुनाव में निर्वाचक लिगांनुपात 874 तथा वर्ष 2013 में 14वीं प्रदेश विधानसभा के आम चुनाव में निर्वाचक लिगांनुपात 899 रहा,[11] 2018 में 15वीं प्रदेश विधानसभा के आम चुनाव में निर्वाचक लिगांनुपात 897 रहा, जो जनगणना वर्ष 2011 के अनुसार प्रदेश में लिगांनुपात 926 से बहुत कम है।

महिला मतदान

महिला राजनीतिक सहभागिता के संदर्भ में महिला मतदान की स्थिति को जानने के लिए विधानसभा तथा लोकसभा चुनावों में महिला मतदान का अध्ययन वांछनीय है। वर्ष 1972 में पांचवी प्रदेश विधानसभा के लिए सम्पन्न आम चुनाव में पुरूष मतदान 65.03 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 50.02 प्रतिशत रहा। 6वीं विधानसभा के लिए वर्ष 1977 में सम्पन्न आम चुनाव में पुरूष मतदान 59.77 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 48.72 प्रतिशत रहा। 7वीं विधानसभा के लिए वर्ष 1980 में सम्पन्न आम चुनाव में पुरूष मतदान 57. 99 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 45.96 प्रतिशत रहा। 8वीं विधानसभा के लिए वर्ष 1985 में सम्पन्न आम चुनाव में पुरूष मतदान 60.92 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 48.49 प्रतिशत रहा। 9वी विधानसभा के लिए वर्ष 1990 में सम्पन्न आम चुनाव में पुरूष मतदान 62.07 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 51.50 प्रतिशत रहा। 10वी विधानसभा के लिए वर्ष 1993 में सम्पन्न आम चुनाव में पुरूष मतदान 65.44 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 55.23 प्रतिशत रहा। 11वीं विधानसभा के लिए वर्ष 1998 में सम्पन्न आम चुनाव में पुरूष मतदान 67.56 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 58.96 प्रतिशत रहा।[12] 12वीं विधानसभा के लिए वर्ष 2003 में सम्पन्न आम चुनाव में पुरूष मतदान 69.91 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 64.21 प्रतिशत रहा।[13] 13वीं विधानसभा के लिए वर्ष 2008 में सम्पन्न आम चुनाव में पुरूष मतदान 67.31 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 65.42 प्रतिशत रहा।[14] 14वीं विधानसभा के लिए वर्ष 2013 में सम्पन्न आम चुनाव में पुरूष मतदान 74.92 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 75.57 प्रतिशत रहा।[15] 15वीं विधानसभा के लिए वर्ष 2018 में सम्पन्न आम चुनाव में पुरूष मतदान 73.83 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 74.68 प्रतिशत रहा।[16]

सामान्यतः प्रदेश में पुरूषों की अपेक्षा महिला मतदान उपेक्षित रहा। यह तथ्य प्रदेश राजनीति में महिला सहभागिता की कमजोर स्थिति को इंगित करता है, लेकिन 14वीं विधानसभा के लिए वर्ष 2013 में सम्पन्न चुनाव में मतदान की स्थिति पुरूष तथा महिला दोनों वर्गो की दृष्टि से बेहतर कही जा सकती है, क्योंकि इस चुनाव में पुरूष मतदान 74.92 प्रतिशत तथा महिला मतदान 75.57 प्रतिशत रहा, जो आज तक प्रदेश

विधानसभा के लिए सम्पन्न समस्त चुनावो में मतदान की सर्वोच्चतम स्थिति को इंगित करता है। इतना ही नही वर्ष 2013 में सम्पन्न चुनाव में महिला मतदान की स्थिति पुरूष मतदान से बेहतर रही। वर्तमान विधानसभा के लिए सम्पन्न आम चुनाव-2018 में में पुरूष मतदान 73.83 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 74.68 प्रतिशत रहा।

राजस्थान में महिला मतदान पुरूष मतदान अन्तर

वर्ष 1972 में पांचवी प्रदेश विधानसभा के लिए सम्पन्न आम चुनाव में पुरूष मतदान ;65.03 प्रतिशतद्ध तथा महिला मतदान ;50.02 प्रतिशतद्ध के मध्य अन्तर 15.01 प्रतिशत रहा। छठीं विधानसभा के लिए वर्ष 1977 में सम्पन्न आम चुनाव में पुरूष मतदान ;59.77 प्रतिशतद्ध तथा महिला मतदान ;48.72 प्रतिशतद्ध के मध्य अन्तर 11.05 प्रतिशत रहा। 7वीं विधानसभा के लिए वर्ष 1980 में सम्पन्न आम चुनाव में पुरूष मतदान ;57.99 प्रतिशतद्ध तथा महिला मतदान ;45.96 प्रतिशतद्ध के मध्य अन्तर 12.03 प्रतिशत रहा। 8वीं विधानसभा के लिए वर्ष 1985 में सम्पन्न आम चुनाव में पुरूष मतदान ;60.92 प्रतिशतद्ध तथा महिला मतदान ;48.49 प्रतिशतद्ध के मध्य अन्तर 11.83 प्रतिशत रहा। 9वी विधानसभा के लिए वर्ष 1990 में सम्पन्न आम चुनाव में पुरूष मतदान ;62.07 प्रतिशतद्ध तथा महिला मतदान ;51.50 प्रतिशतद्ध के मध्य अन्तर 10.57 प्रतिशत रहा। 10वी विधानसभा के लिए वर्ष 1993 में सम्पन्न आम चुनाव में पुरूष मतदान ;65.44 प्रतिशतद्ध तथा महिला मतदान ;55.23 प्रतिशतद्ध के मध्य अन्तर 10.21 प्रतिशत रहा। 11वीं विधानसभा के लिए वर्ष 1998 में सम्पन्न आम चुनाव में पुरूष मतदान ;67.56 प्रतिशतद्ध तथा महिला मतदान ;58.96 प्रतिशतद्ध के मध्य अन्तर 8.6 प्रतिशत रहा।[17] 12वीं विधानसभा के लिए वर्ष 2003 में सम्पन्न आम चुनाव में पुरूष मतदान ;69.91 प्रतिशतद्ध तथा महिला मतदान ;64.21 प्रतिशतद्ध के मध्य अन्तर 5.7 प्रतिशत रहा। 13वीं विधानसभा के लिए वर्ष 2008 में सम्पन्न आम चुनाव में पुरूष मतदान ;67.31 प्रतिशतद्ध तथा महिला मतदान ;65.42 प्रतिशतद्ध के मध्य अन्तर 1.89 प्रतिशत रहा।[18] 14वीं विधानसभा के लिए वर्ष 2013 में सम्पन्न आम चुनाव में पुरूष मतदान ;74. 92 प्रतिशतद्ध तथा महिला मतदान ;75.57 प्रतिशतद्ध के मध्य अन्तर .65 ;+द्ध प्रतिशत रहा।[19] 15वीं विधानसभा के लिए वर्ष 2018 में सम्पन्न आम चुनाव में पुरूष मतदान ;73.83 प्रतिशतद्ध तथा महिला मतदान ;74.68 प्रतिशतद्ध के मध्य अन्तर .85 ;+द्ध प्रतिशत रहा।[20]

14वीं विधानसभा के लिए वर्ष 2013 में सम्पन्न आम चुनाव में पुरूष मतदान तथा महिला मतदान के मध्य अन्तर ;.65 प्रतिशतद्ध महिला मतदाताओं के पक्ष में रहा। यद्यपि प्रदेश में महिला मतदान, पुरूष मतदान की अपेक्षा सामान्यतः कम रहा है। 7वीं विधानसभा के लिए वर्ष 1980 में सम्पन्न आम चुनाव से पुरूष मतदान तथा महिला मतदान के मध्य अन्तर का यह दायरा लगातार सीमटता जा रहा है और 14वीं विधानसभा के लिए वर्ष 2013 में सम्पन्न आम चुनाव में यह दायरा/अन्तर ना केवल खत्म हुआ बल्की महिला मतदाताओं के पक्ष में रहा। 15वीं विधानसभा के लिए वर्ष 2018 में सम्पन्न आम चुनाव में यह अन्तर महिला मतदाताओं के पक्ष में रहा। इस चुनाव में भी महिला मतदान दर पुरूष मतदान दर से अधिक रही।

राज्य विधानसभा आम चुनावों में महिला मतदान की जिलेवार स्थिति

जिले	पुरूष मतदान			महिला मतदान		
	2008	2013	2018	2008	2013	2018
अजमेर	65.81	74.63	72.54	63.38	73.55	70.26
अलवर	70.85	77.72	75.01	68.05	77.30	74.65
बाँसवाडा	69.63	80.63	81.48	70.84	82.73	83.46
बांरा	73.05	80.36	80.15	65.25	76.14	76.90
बाड़मेर	66.70	76.63	74.95	68.13	78.77	78.97
भरतपुर	66.49	72.63	70.93	62.65	71.96	71.72
भीलवाडा	70.20	76.89	74.08	68.69	76.90	74.31
बीकानेर	67.92	77.61	76.64	61.80	73.40	73.66
बूंदी	69.69	78.14	77.30	61.03	74.27	73.21
चित्तौडगढ़	75.69	82.72	81.87	68.61	80.09	79.95
चुरू	67.46	74.81	72.67	72.32	80.03	78.15
दौसा	71.31	73.98	74.74	67.60	75.73	75.96
धौलपुर	72.91	76.47	72.91	68.47	78.19	75.10
डूंगरपुर	58.45	68.00	67.39	66.29	75.83	75.27
गंगानगर	76.74	84.25	82.24	74.84	83.56	81.28
हनुमानगढ़	79.81	85.40	83.22	77.95	84.42	82.40
जयपुर	65.19	74.70	75.07	62.31	73.71	73.76
जैसलमेर	74.33	85.09	83.59	73.76	85.44	85.88

जालोर	64.49	70.07	67.70	63.38	71.42	71.18
झालावाड़	76.69	83.51	82.79	64.69	77.53	78.12
झुंझुनू	62.45	70.69	69.62	67.64	77.31	75.47
जोधपुर	62.10	72.63	73.00	57.52	70.02	71.29
करौली	73.58	69.00	69.37	66.73	68.82	69.90
कोटा	64.88	76.54	76.22	58.90	73.92	73.19
नागौर	64.40	71.83	71.46	65.64	74.80	74.42
पाली	57.20	64.07	62.64	58.40	68.61	67.23
प्रतापगढ़	73.80	79.81	79.83	70.25	80.44	80.12
राजसमन्द	67.84	72.41	69.21	69.07	76.62	74.25
सवाई माधोपुर	63.47	71.64	68.73	57.11	70.51	66.16
सीकर	63.05	70.39	69.27	70.03	79.09	77.21
सिरोही	60.98	67.93	66.16	60.66	71.47	70.84
टोंक	67.04	74.36	73.62	61.72	71.62	70.31
उदयपुर	66.00	73.61	72.91	63.84	74.44	73.75
	67.31	**74.92**	**73.83**	**65.42**	**75.57**	**74.68**

स्त्रोत : सारणी 14 डिस्टीक एण्ड असेम्बली कन्सीस्टेन्सी वॉयज इलेक्टोरेट, वोट्स पोल्ड एण्ड पर्सन्टेज, फोंटिन विधानसभा जनरल इलेक्शन 2013 इलेक्शन डिपार्टमेन्ट, राजस्थान पृ. 54-57 तथा सारणी : 13 डिस्ट्रीक एण्ड असेम्बली कान्सीस्टेन्सी वॉयज इलेक्टेड़, वोट्स पोल्ड एण्ड पर्सन्टेज थर्डटीन विधानसभा जनरल इलेक्शन-2008 इन राजस्थान, इलेक्शन डिपार्टमेन्ट राजस्थान (पृ. 101-105) एवं आफिस ऑफ दा चीफ इलेक्शन आफिसर राजस्थान, राजस्थान असेम्बली जनरल इलेक्शनस् 2018

वर्ष 2008 में 13वीं राज्य विधानसभा के लिये सम्पन्न आम चुनाव में कुल मतदान 66.41 प्रतिशत रहा। जिसमें पुरूष मतदान 67.31 प्रतिशत तथा महिला मतदान 65.42 प्रतिशत रहा। यद्यपि प्रदेश में महिला मतदान पूर्व की भांति ही पुरूष मतदान से कम रहा लेकिन प्रदेश के कुछ जिलों में महिला मतदान पुरूष मतदान से अधिक रहा। बाँसवाड़ा, बाड़मेर, चुरू, डुंगरपुर, झुंझुनू, नागौर, पाली, राजसमन्द तथा सीकर जिले में महिला मतदान पुरूष मतदान की अपेक्षा अधिक रहा। बाँसवाड़ा जिले में पुरूष मतदान 69.63 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 70.84 प्रतिशत रहा, बाड़मेर जिले में पुरूष मतदान 66.70 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 68.13 प्रतिशत रहा, चुरू जिले में पुरूष मतदान 67.46 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 72.32 प्रतिशत रहा, डुंगरपुर जिले में पुरूष मतदान 58.45 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 66.29 प्रतिशत रहा, झुंझुनू जिले में पुरूष मतदान 62.45 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 67.64 प्रतिशत रहा, नागौर जिले में पुरूष मतदान 64.40 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 65.64 प्रतिशत रहा, पाली जिले में पुरूष मतदान 57.20 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 58.40 प्रतिशत रहा, राजसमन्द जिले में पुरूष मतदान 67.84 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 69.07 प्रतिशत रहा और सीकर जिले में पुरूष मतदान 63.05 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 70.03 प्रतिशत रहा। डूंगरपुर जिले में महिला मतदान पुरूष मतदान की तुलना में 7.84 प्रतिशत अधिक रहा।[21]

महिला मतदान की दृष्टि से हनुमानगढ़ जिला राज्य में प्रथम तथा सवाई माधोपुर जिला अन्तिम रहा। हनुमानगढ़ जिले मे महिला मतदान 77.95 प्रतिशत तथा सवाई माधोपुर जिले में महिला मतदान 57.11 प्रतिशत रहा

वर्ष 2013 में 14वीं राज्य विधानसभा के लिये सम्पन्न आम चुनाव में कुल मतदान 75.23 प्रतिशत रहा। जिसमें पुरूष मतदान 74.92 प्रतिशत तथा महिला मतदान 75.57 प्रतिशत रहा। यद्यपि प्रदेश के पूर्व चुनावों में महिला मतदान सामान्यतः कम रहा है लेकिन वर्ष 2013 में महिला मतदान पुरूष मतदान से अधिक रहा। प्रदेश के कुल 33 जिलों में से 17 जिलों में महिला मतदान पुरूष मतदान से अधिक रहा। बाँसवाड़ा, बाड़मेर, भीलवाडा, चुरू, दौसा, धोलपुर, डुंगरपुर, जैसलमेर, जालोर, झुंझुनू, नागौर, पाली, प्रतापगढ, राजसमन्द, सीकर, सिरोही तथा उदयपुर जिले में महिला मतदान पुरूष मतदान की अपेक्षा अधिक रहा।

बाँसवाड़ा जिले में पुरूष मतदान 80.63 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 82.73 प्रतिशत रहा, बाड़मेर जिले में पुरूष मतदान 76.63 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 78.77 प्रतिशत रहा, भीलवाडा जिले में पुरूष मतदान 76.89 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 76.90 प्रतिशत रहा, चुरू जिले में पुरूष मतदान 74.81 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 80.03 प्रतिशत रहा, दौसा जिले में पुरूष मतदान 73.98 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 75.73 प्रतिशत रहा, धोलपुर जिले में पुरूष मतदान 76.47 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 78.19 प्रतिशत रहा, डुंगरपुर जिले में पुरूष मतदान 60.00 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 75.83 प्रतिशत रहा, जैसलमेर जिले में पुरूष मतदान 85.09 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 85.44 प्रतिशत रहा, जालोर

जिले में पुरूष मतदान 70.07 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 71.42 प्रतिशत रहा, झुंझुनू जिले में पुरूष मतदान 70.69 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 77.31 प्रतिशत रहा, नागौर जिले में पुरूष मतदान 71.83 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 74.80 प्रतिशत रहा, पाली जिले में पुरूष मतदान 64.07 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 68.61 प्रतिशत रहा, प्रतापगढ जिले में पुरूष मतदान 79.81 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 80.44 प्रतिशत रहा, राजसमन्द जिले में पुरूष मतदान 72.41 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 76.62 प्रतिशत रहा, सीकर जिले में पुरूष मतदान 70.39 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 79.09 प्रतिशत रहा। सिरोही जिले में पुरूष मतदान 67.93 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 71.47 प्रतिशत रहा तथा उदयपुर जिले में पुरूष मतदान 73.61 प्रतिशत के विपरीत महिला मतदान 74.44 प्रतिशत रहा।[22]

वर्ष 2018 में 15वीं राज्य विधानसभा के लिये सम्पन्न आम चुनाव में कुल मतदान 74.71 प्रतिशत रहा, जिसमें पुरूष मतदान 73.83 प्रतिशत तथा महिला मतदान 74.68 प्रतिशत रहा। यद्यपि प्रदेश के पूर्व चुनावों में महिला मतदान सामान्यतः कम रहा है लेकिन वर्ष 2013 की तरहा वर्ष 2018 में भी महिला मतदान पुरूष मतदान से अधिक रहा।

प्रदेश के कुल 33 जिलों में से 19 जिलों में महिला मतदान पुरूष मतदान से अधिक रहा। करौली, भरतपुर, बाँसवाड़ा, बाड़मेर, भीलवाडा,, चुरू, दौसा, धोलपुर, डुंगरपुर, जैसलमेर, जालोर, झुंझुनू, नागौर, पाली, प्रतापगढ, राजसमन्द, सीकर, सिरोही तथा उदयपुर जिले में महिला मतदान पुरूष मतदान की अपेक्षा अधिक रहा। करौली जिले में कुल मतदान 69.99 प्रतिशत रहा, जिसमें पुरूष मतदान 69.37 एवं महिला मतदान 69.90 रहा। भरतपुर जिलें में कुल मतदान 71.86 प्रतिशत रहा, जिसमें पुरूष मतदान 70.93 एवं महिला मतदान 71. 72 रहा। बाँसवाड़ा जिले में कुल मतदान 83.06 प्रतिशत रहा, जिसमें पुरूष मतदान 81.48 एवं महिला मतदान 83.46 रहा। बाड़मेर जिले में कुल मतदान 77.47 प्रतिशत रहा, जिसमें पुरूष मतदान 74.95 एवं महिला मतदान 78.97 रहा। भीलवाडा जिले में कुल मतदान 74.71 प्रतिशत रहा, जिसमें पुरूष मतदान 74.08 एवं महिला मतदान 74.31 रहा। चुरू जिले में कुल मतदान 75.67 प्रतिशत रहा, जिसमें पुरूष मतदान 72.67 एवं महिला मतदान 78.15 रहा। दौसा जिले में कुल मतदान 75.82 प्रतिशत रहा, जिसमें पुरूष मतदान 74.74 एवं महिला मतदान 75.96 रहा। धौलपुर जिले में कुल मतदान 74.56 प्रतिशत रहा, जिसमें पुरूष मतदान 72.91 एवं महिला मतदान 75.10 रहा।

डुंगरपुर जिले में कुल मतदान 71.77 प्रतिशत रहा, जिसमें पुरूष मतदान 67.39 एवं महिला मतदान 75.27 रहा। जैसलमेर जिले में कुल मतदान 85.36 प्रतिशत रहा, जिसमें पुरूष मतदान 83.59 प्रतिशत एवं महिला मतदान 85.88 प्रतिशत रहा, जालोर जिले में कुल मतदान 69.80 प्रतिशत रहा, जिसमें पुरूष मतदान 67.70 प्रतिशत एवं महिला मतदान 71.18 प्रतिशत रहा। झुंझुनू जिले में कुल मतदान 72.50 प्रतिशत रहा, जिसमें पुरूष मतदान 69.62 प्रतिशत एवं महिला मतदान 75.47 प्रतिशत रहा। नागौर में कुल मतदान 73.25 प्रतिशत रहा, जिसमें पुरूष मतदान 71.46 प्रतिशत एवं महिला मतदान 74.42 प्रतिशत रहा, पाली में कुल

मतदान 65.31 प्रतिशत रहा, जिसमें पुरूष मतदान 62.64 एवं महिला मतदान 67.23 प्रतिशत रहा, प्रतापगढ में कुल मतदान 80.40 प्रतिशत रहा, जिसमें पुरूष मतदान 79.83 एवं महिला मतदान 80.12 प्रतिशत रहा, राजसमन्द में कुल मतदान 72.21 प्रतिशत रहा, जिसमें पुरूष मतदान 69.21 प्रतिशत एवं महिला मतदान 74. 25 प्रतिशत रहा, सीकर जिले में कुल मतदान 73.45 प्रतिशत रहा, जिसमें पुरूष मतदान 69.27 प्रतिशत एवं महिला मतदान 77.21 प्रतिशत रहा, सिरोही में कुल मतदान 68.78 प्रतिशत रहा, जिसमें पुरूष मतदान 66.16 प्रतिशत एवं महिला मतदान 70.84 प्रतिशत रहा, उदयपुर में कुल मतदान 73.88 प्रतिशत रहा, जिसमें पुरूष मतदान 72.91 प्रतिशत एवं महिला मतदान 73.75 प्रतिशत रहा।[23]

निष्कर्ष

प्रदेश में महिला मतदान का परिदृश्य लगातार बदलता जा रहा हैं। यद्यपि राज्य विधानसभा के गठन के लिये सम्पन्न विभिन्न आम चुनावों में महिला मतदान पुरूष मतदान से सामान्यतः कम रहा है, लेकिन इन चुनावो में मतदान की स्थिति के अध्ययन से यह स्थिति स्पष्ट होती है कि पीछले चुनावों की अपेक्षा बाद के चुनाव में महिला-पुरूष मतदान का अन्तर लगातार कम होता रहा है। पांचवी राज्य विधानसभा आम चुनाव-1972 में यह अन्तर 15.01 प्रतिशत था, जो छठीं राज्य विधानसभा आम चुनाव-1977 में 11.05 प्रतिशत, सातवीं राज्य विधानसभा आम चुनाव-1980 में 12.03 प्रतिशत, आठवीं राज्य विधानसभा आम चुनाव-1985 में 12.43 प्रतिशत, नवीं राज्य विधानसभा आम चुनाव-1990 में 10.57 प्रतिशत, दसवीं राज्य विधानसभा आम चुनाव-1993 में 10.21 प्रतिशत, ग्यारहवीं राज्य विधानसभा आम चुनाव-1998 में 8.60 प्रतिशत, बारहवीं राज्य विधानसभा आम चुनाव-2003 में 5.70 प्रतिशत तथा तेरहवीं राज्य विधानसभा आम चुनाव-2008 में 1.89 प्रतिशत रहा। 14वीं राज्य विधानसभा आम चुनाव-2013 एवं 15 वीं राज्य विधानसभा आम चुनाव-2018 में महिला-पुरूष मतदान का यह अन्तर महिला मतदाताओं के पक्ष में रहा है। अर्थात इन चुनावों में पुरूष मतदान की तुलना में महिला मतदान अधिक रहा। है। इस प्रकार प्रदेश में महिला-पुरूष मतदान के मध्य अन्तर का दायरा लगातार घटता जा रहा है, जो राजनीति में महिला सहभागिता में अभिवृद्धि को इंगित करता है। इतना ही नही प्रदेश के कुछ जिलो में महिला मतदान पुरूष मतदान से अधिक रहा। विश्व आणथक मंच (वर्ल्ड इकोन,मिक फोरम) द्वारा 13 जुलाई, 2022 को जारी की गई ''ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स 2022'' रिपोर्ट भी इस बात की पुष्टि करती है कि भारत के राजनीतिक परिदृश्य में महिलाओं की स्थिति में सुधार हो रहा है। इस रिपोर्ट के अनुसार राजनीतिक सशक्तिकरण की द्वष्टि से भारत 146 देशों की सुची में 48 वें स्थान पर है।

सन्दर्भ सूची

1. ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स 2022, 13 जुलाई, 2022
2. आशा कौशिक, नारी सशक्तीकरण विमर्श एंव यर्थाथ, पोइन्टर पब्लिशर्स, जयपुर, 2004, पृ. 27-28

3. जे.सी. जौहरी, सीमा जौहरी, आधुनिक राजनीति विज्ञान के सिद्धांत, स्टर्लिंग पब्लिशर्स, प्रा.लि., 2000, पृ. 372
4. ओम प्रकाश गाबा, राजनीतिक विचार विश्वकोष, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली, पृ. 97
5. सारणी-ग्प्ट विधानसभा जनरल इलेक्शन, 2003, लिस्ट ऑफ इलेक्टेड केन्डिडेट्स, पृ. 102-104 के अनुसार
6. राजस्थान पत्रिका, जयपुर, 18 मई, 2005, पृ. 14
7. मीरा देवी, ब्रिटिश काल में सार्वजनिक जीवन में महिलाओं के प्रथम चरण सोधक ए जर्नल ऑफ हिस्टोरिकल रिसर्च, 33, 98, 2004, जयपुर, पृ. 135
8. अन्नेक्सर-13 डिस्टीक एण्ड असेम्बली कन्सीस्टेन्सी वॉयज इलेक्टोरेट, वोट्स पोल्ड एण्ड पर्सन्टेज, थर्डटिन विधानसभा जनरल इलेक्शन-2008 इन राजस्थान, मेंनेजमेन्ट ऑफ इलेक्शन एण्ड स्टेटीकल इनर्फोमेंशन, इलेक्शन डिपार्टमेन्ट, राजस्थान पृ.101-105
9. डिस्टीक एण्ड असेम्बली कन्सीस्टेन्सी वॉयज नम्बर ऑफ इलेक्टोरेट, फोंटिन विधानसभा जनरल इलेक्शन-2013 इन राजस्थान, स्टेटीकल इनर्फोमेंशन, इलेक्शन डिपार्टमेन्ट, राजस्थान पृ.22-25
10. आफिस ऑफ दा चीफ इलेक्शन आफिसर राजस्थान, राजस्थान असेम्बली जनरल इलेक्शनस् 2018, ोमउइसल म्समबजपवदे 2018 मउेण्तंरण्दपबण्पद
11. फोंटिन विधानसभा जनरल इलेक्शन-2013 इन राजस्थान, ''स्टेटीकल इनर्फोमेशन'' इलेक्शन डिपार्टमेन्ट, राजस्थान पृ.119 ; पार्ट प्ब्र के आधार पर
12. कम्प्रेटिव स्टेटिसटिक्स आर्फ विधानसभा जनरल इलेक्शन फ्रोम 1952 टू 1998, स्टेटिसटिकल रिपोर्ट जनरल इलेक्शन-1998 द इलेवन्थ विधानसभा, इलेक्शन डिपार्टमेन्ट आर्फ राजस्थान, जयपुर पृ. 94 के आधार पर
13. टवेल्थ विधानसभा जनरल इलेक्शन-2003 इन राजस्थान, मेंनेजमेन्ट ऑफ इलेक्शन एण्ड स्टेटीकल इनर्फोमेंशन, इलेक्शन डिपार्टमेन्ट, राजस्थान
14. थर्डटिन विधानसभा जनरल इलेक्शन-2008 इन राजस्थान, मेंनेजमेन्ट ऑफ इलेक्शन एण्ड स्टेटीकल इनर्फोमेंशन, इलेक्शन डिपार्टमेन्ट, राजस्थान
15. वोटर टर्न आउट ;म्टडब्द्ध फोंटिन विधानसभा जनरल इलेक्शन-2013 इन राजस्थान, स्टेटीकल इनर्फोमेंशन, इलेक्शन डिपार्टमेन्ट, राजस्थान , पृ.2 ; पार्ट प्ब्र के आधार पर
16. नोट-10
17. कम्प्रेटिव स्टेटिसटिक्स आर्फ विधानसभा जनरल इलेक्शन फ्रोम 1952 टू 1998, स्टेटिसटिकल रिपोर्ट जनरल इलेक्शन-1998 द इलेवन्थ विधानसभा, इलेक्शन डिपार्टमेन्ट आर्फ राजस्थान, जयपुर पृ. 94 के आधार पर

18. सारणी-1, राजस्थान विधान सभा चुनावों में महिला मतदान प्रतिशत, तेरहवीं राजस्थान विधान सभा आम चुनाव-2008 में महिला सहभागिता, लोकतन्त्र समीक्षा, खण्ड 43 अंक 1-2, जनवरी-जून 2011, पृ. 60
19. वोटर टर्न आउट ;म्टडब्द्ध फोंटिन विधानसभा जनरल इलेक्शन-2013 इन राजस्थान, स्टेटीकल इनफोर्मेंशन, इलेक्शन डिपार्टमेन्ट, राजस्थान, पृ.2 ; पार्ट प्द्ध के आधार पर
20. नोट-10
21. सारणी : 13 डिस्ट्रीक एण्ड असेम्बली कान्सीस्टेन्सी वॉयज इलेक्टेड़, वोट्स पोल्ड एण्ड पर्सन्टेज, थर्डटीन विधानसभा जनरल इलेक्शन-2008 इन राजस्थान, इलेक्शन डिपार्टमेन्ट राजस्थान (पृ. 101-105) के आधार पर
22. सारणी 14 डिस्टीक एण्ड असेम्बली कन्सीस्टेन्सी वॉयज इलेक्टोरेट, वोट्स पोल्ड एण्ड पर्सन्टेज, फोंटिन विधानसभा जनरल इलेक्शन 2013 इलेक्शन डिपार्टमेन्ट, राजस्थान पृ. 54-57 तथा
23. नोट-10